

Name: Sample, DOB: 18:10:2005

TOB: 01:45:00, PLACE: Ballia ()

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वत्रूतिभिः सीद सादनम् ॥

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काशपेयं महाद्युतिम् । तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदारणवसम्भवम् । नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् । कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् । सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम् । बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् । सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् । सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् । रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्रिसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ॥

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरूप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूँ। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूँ। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूँ। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूँ। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूँ। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूँ। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूँ। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री-पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

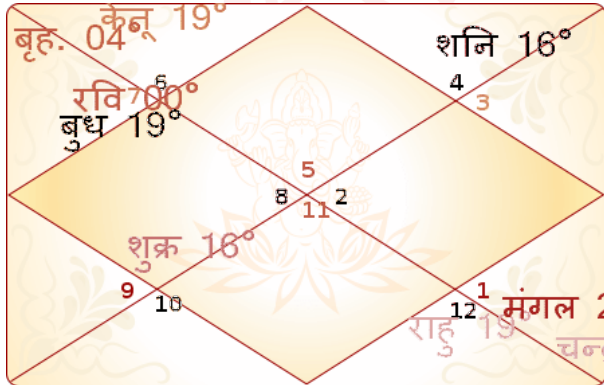
ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, Time: 10:21Hrs

ग्रह	राशी	अंश	न(चरण)	विशेष
लब्ध	सिंह	04:11	मघा-२	
रवि	तुला	00:37	चित्रा-३	नीचराशी
चंद्र	मेष	05:00	अश्विनी-२	समराशी
मंगळ(व)	मेष	27:34	कृत्तिका-१	स्वराशी
बुध	तुला	19:34	स्वाती-४	मित्रराशी
गुरु(अ)	तुला	04:15	चित्रा-४	शत्रुराशी
शुक्र	वृश्चिक	16:48	ज्येष्ठा-१	समराशी
शनि	कर्क	16:13	पुष्य-४	स्वनक्षत्र
राहु(व)	मीन	19:02	रेवती-१	समराशी
केतु(व)	कन्या	19:02	हस्त-३	समराशी
इंद्र(व)	कुंभ	13:15	शततारका-२	-----
वरुण(व)	मकर	20:54	श्रवण-४	-----
रुद्र	वृश्चिक	28:25	ज्येष्ठा-४	-----

ग्रह	राशी	अंश	न(चरण)	विशेष
लब्ध	वृश्चिक	28:09	ज्येष्ठा-४	
रवि	तुला	00:37	चित्रा-३	नीचराशी
चंद्र	कर्क	05:52	पुष्य-१	स्वराशी
मंगळ	मिथुन	00:23	मृग-३	स्व
बुध	कन्या	16:22	हस्त-२	उच्चराशी
गुरु(व)	मीन	06:49	उत्तराभाद्रप. -२	स्वराशी
शुक्र(अ)	कन्या	29:24	चित्रा-२	नीचराशी
शनि(व)	मकर	24:26	धनिष्ठा-१	स्वराशी
राहु(व)	मेष	19:59	भरणी-२	शत्रुराशी
केतु(व)	तुला	19:59	स्वाती-४	शत्रुराशी
इंद्र(व)	मेष	23:37	भरणी-४	-----
वरुण(व)	कुंभ	29:02	पूर्वाभाद्रप. -३	-----
रुद्र	मकर	01:57	उत्तराषाढा-२	-----

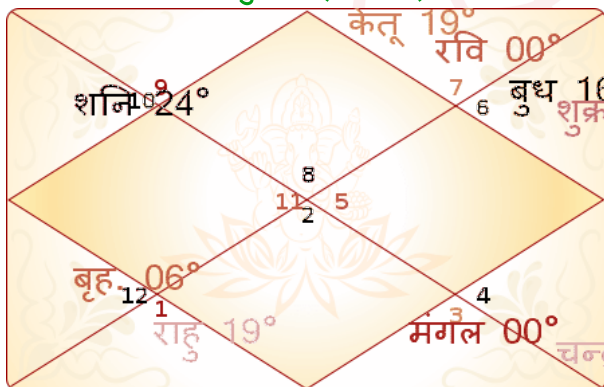
लब्ध कुंडली



चंद्र कुंडली



लब्ध कुंडली (वर्षफल)

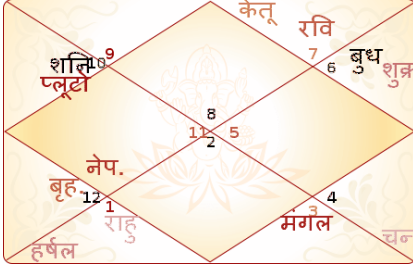


चंद्र कुंडली (वर्षफल)

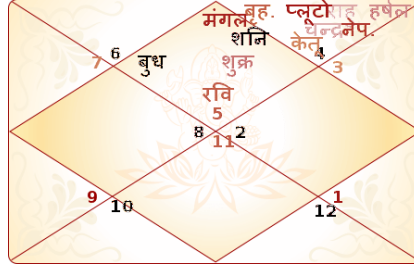


द्वादश वर्ग कुंडली

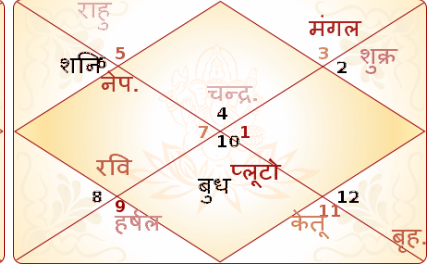
वर्ष लब्ध कुंडली



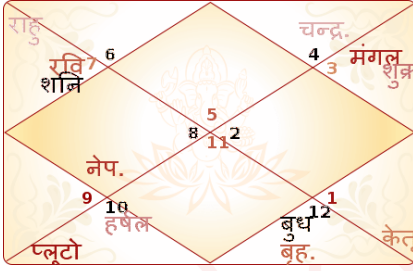
वर्ष होरा कुंडली



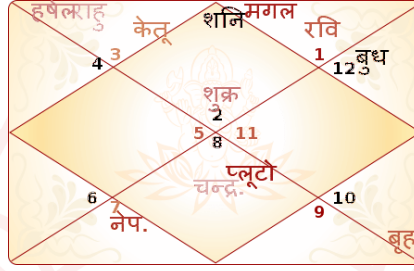
वर्ष द्रेष्कान कुंडली



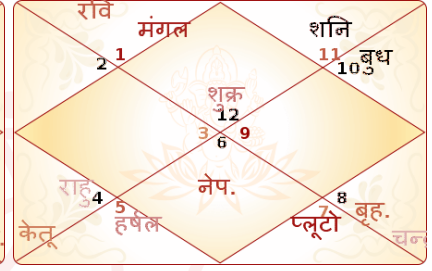
वर्ष चतुर्थांश कुंडली



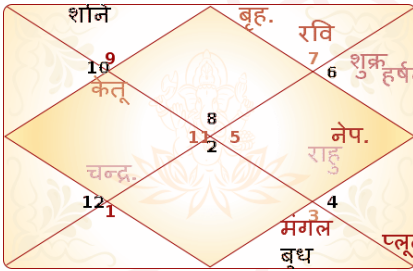
वर्ष पंचमांश कुंडली



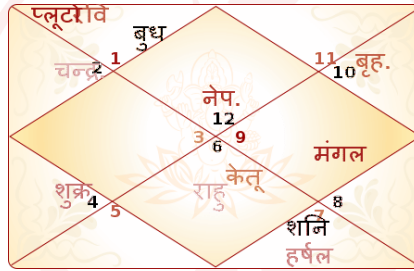
वर्ष षष्ठांश कुंडली



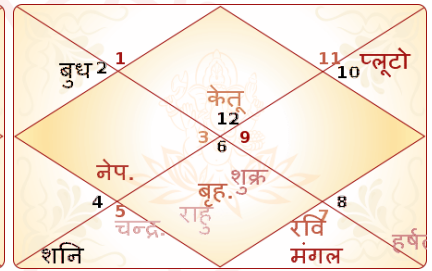
वर्ष सप्तमांश कुंडली



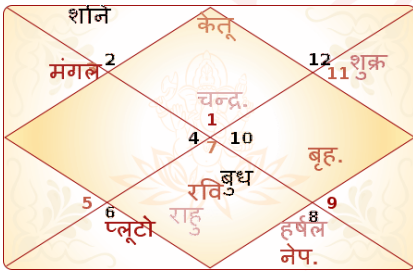
वर्ष अष्टमांश कुंडली



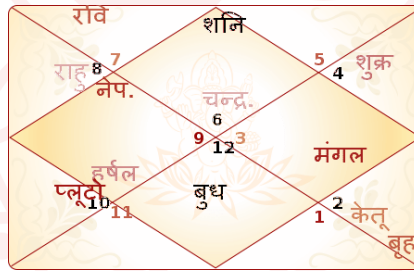
वर्ष नवमांश कुंडली



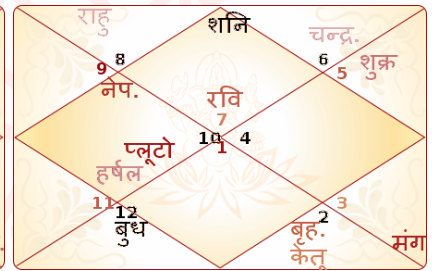
वर्ष दशमांश कुंडली



वर्ष एकादशांश कुंडली



वर्ष द्वादशांश कुंडली



वर्षफल कुंडलीत ग्रहांचे बल

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, Time: 10:21Hrs

पंच वर्गीय बल

क.स.	बल	रवि	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	15.0	30.0	7.5	30.0	30.0	7.5	30.0
2	उच्च बल	1.04	13.01	6.4	19.85	6.87	0.27	9.51
3	कवच बल	3.75	7.5	3.75	3.75	3.75	11.25	15.0
4	द्रेष्कान बल	2.5	7.5	2.5	2.5	7.5	2.5	2.5
5	नवमांश बल	2.5	1.25	1.25	1.25	1.25	1.25	1.25
	एकूण बल		तुलनात्मक बल	साधारण	बलशाली	साधारण	बलशाली	बलशाली

द्वादश वर्गीय बल

क.स.	बल	रवि	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	राशी बल	0	+2	0	+2	+2	0	+2
2	होरा बल	+2	+2	-1	0	-1	0	0
3	द्रेष्कान बल	0	+2	0	-1	+2	+2	-1
4	चतुर्थांश बल	0	+2	0	0	+2	0	-1
5	पंचमांश बल	-1	0	+2	0	-1	+2	-1
6	षष्ठांश बल	-1	0	+2	-1	0	0	+2
7	सप्तमांश बल	0	0	0	+2	0	0	-1
8	अष्टमांश बल	-1	-1	0	0	-1	-1	-1
9	नवमांश बल	0	0	0	0	0	0	0
10	दशांश बल	0	0	0	0	-1	-1	-1
11	एकादशांश बल	0	-1	0	0	0	-1	-1
12	द्वादशांश बल	0	-1	0	0	0	0	-1
	एकूण बल	-1	+5	+3	+2	+2	+1	-4
	तुलनात्मक बल	सम	अति सुंदर	सुंदर	साधारण	साधारण	साधारण	वाईट

हर्ष बल

क.स.	बल	रवि	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	5.0	0.0	5.0	5.0	0.0	5.0
3	ओज-युग्म बल	5.0	5.0	0.0	0.0	5.0	0.0	5.0
4	दिवा-रात्री बल	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	0.0
	एकूण बल	10	10	5	5	15	0	10
	तुलनात्मक बल	मध्यबली	मध्यबली	अल्पबली	अल्पबली	पूर्णबली	निर्बल.	मध्यबली

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, 10:21Hrs

मुद्दा योगिनी दशा			मुद्दा षोडशोत्तरी दशा		
दशा	दशा काल	पासून	दशा	दशा काल	पासून
भद्रीका (बुध) दशा	0.0 y.1.0 m.21 d.	18:10:2022	गुरू	0.0 y.1.0 m.11 d.	18:10:2022
उल्का (शनि) दशा	0.0 y.2.0 m.0 d.	08:12:2022	शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	28:11:2022
सिद्धा (शुक्र) दशा	0.0 y.2.0 m.11 d.	06:02:2023	केतू	0.0 y.1.0 m.17 d.	11:01:2023
संकटा (राहु) दशा	0.0 y.2.0 m.20 d.	18:04:2023	चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	27:02:2023
मंगला (चंद्र) दशा	0.0 y.0.0 m.10 d.	09:07:2023	बुध	0.0 y.1.0 m.23 d.	18:04:2023
पिंगला (सूर्य) दशा	0.0 y.0.0 m.20 d.	19:07:2023	शुक्र	0.0 y.1.0 m.26 d.	11:06:2023
धन्या (गुरू) दशा	0.0 y.1.0 m.0 d.	08:08:2023	रवि	0.0 y.1.0 m.5 d.	07:08:2023
मंगला (चंद्र) दशा	0.0 y.0.0 m.10 d.	07:09:2023	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	10:09:2023

पत्ययनी दशा			
क्र.स.	दशा	दशा काल	पासून
1	मंगल	0.0 y.0.0 m.5 d.	18:10:2022
2	रवि	0.0 y.0.0 m.3 d.	23:10:2022
3	चंद्र	0.0 y.2.0 m.5 d.	26:10:2022
4	गुरू	0.0 y.0.0 m.12 d.	30:12:2022
5	बुध	0.0 y.3.0 m.27 d.	11:01:2023
6	शनि	0.0 y.3.0 m.9 d.	09:05:2023
7	लव्ण	0.0 y.1.0 m.16 d.	17:08:2023
8	शुक्र	0.0 y.0.0 m.16 d.	02:10:2023

मुद्दा विशोत्तरी दशा			
क्र.स.	दशा	दशा काल	पासून
1	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	18:10:2022
2	केतू	0.0 y.0.0 m.21 d.	09:12:2022
3	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	30:12:2022
4	रवि	0.0 y.0.0 m.19 d.	01:03:2023
5	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	19:03:2023
6	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	18:04:2023
7	राहु	0.0 y.1.0 m.24 d.	10:05:2023
8	गुरू	0.0 y.1.0 m.19 d.	03:07:2023
9	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	21:08:2023

जेमिनी चर दशा - वर्षफल			
क्र.स.	दशा	दशा काल	पासून
1	वृश्चिक	0.0 y.0.0 m.18 d.	18:10:2022
2	मिथुन	0.0 y.0.0 m.11 d.	04:11:2022
3	मकर	0.0 y.1.0 m.12 d.	14:11:2022
4	सिंह	0.0 y.1.0 m.5 d.	26:12:2022
5	मीन	0.0 y.1.0 m.12 d.	30:01:2023
6	तूला	0.0 y.1.0 m.8 d.	13:03:2023
7	वृषभ	0.0 y.0.0 m.14 d.	20:04:2023
8	धनु	0.0 y.0.0 m.11 d.	04:05:2023
9	कर्क	0.0 y.1.0 m.12 d.	14:05:2023
10	कुंभ	0.0 y.1.0 m.8 d.	25:06:2023
11	कन्या	0.0 y.1.0 m.12 d.	02:08:2023
12	मेष	0.0 y.1.0 m.5 d.	13:09:2023

पत्ययनी दशेनुसार वार्षिक भविष्यफल

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, 10:21Hrs

मंगळ दशा

18:10:2022-22:10:2022

या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ तुंगस्थ किंवा स्वतःच्या राशीत नीचस्थ आहे तसेच हा ग्रासित किंवा अस्त नाही. ही एक उदासिन युती असेल. मंगळदशा साधारण राहिल व कोणतीही महत्त्वपूर्ण घटना घडणार नाही. आपण आपल्या कार्यालयात काही समस्यांचा सामना करताल. तसेच आपल्या सख्ये-चुलत भावंड किंवा शेजा-यांबरोबर संपत्तीच्या वादात अडकू शकता.

रवि दशा

23:10:2022-25:10:2022

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत सूर्य नीच किंवा राहुच्या (केतु) जवळ असल्याने कलंकीत आहे. ही एक अनुकूल युती नाही. सूर्याची दशा आपल्यासाठी उत्तम रहाणार नाहीत. सामान्यतः आपल्याला सावधान राहिले पाहिजे व आपल्या प्रकृतीची काळजी घेतली पाहिजे. या दशेत कोणत्याही शुभ व महत्त्वपूर्ण कामाचा आरंभ करणे किंवा दुरच्या प्रवासाची सुरुवात उचित राहणार नाही. आपल्या कार्यालयातील स्थिती खराब असेल. आपले आपल्या सहकारी व वरिष्ठ अधिका-यांबरोबर वाद-विवाद होऊ शकतात.

चंद्र दशा

26:10:2022-29:12:2022

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र तुंगस्थ किंवा आपल्या राशीत आहे तसेच तो नीच नाही. चंद्राच्या दशेदरम्यान आपण अनेक बाबतीत भाग्यशाली रहाताल. आपल्या उत्पन्नात भर पडेल. आपले कौटुंबिक जीवन शांतिपूर्ण व सुखी असेल. आपण दाग-दागिने व संपत्ती खरेदी करण्यासाठी पैसा खर्च करताल. आपण आपल्या मित्रांना भेटण्यासाठी काही जवळचे प्रवास करताल तसेच आपण सहल व प्रवासाचा आनंद लुटाल.

गुरु दशा

30:12:2022-10:01:2023

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु तुंगस्थ किंवा स्वतःच्या राशीत आहे परंतु हा ग्रासित किंवा अस्त असल्यामुळे कलंकीत नाही. गुरुच्या दशेदरम्यान आपण अनेक बाबतीत भाग्यशाली रहाताल. आपण आपल्या अधिका-यांकडून लाभ व समर्थन प्राप्त करताल. आपण स्तरीय लोकांकडून मित्रता प्राप्त करताल व आपल्या शत्रूंना पूर्णपणे पराभूत करताल. आपल्या उत्पन्नात वाढ होईल तसेच आपले कौटुंबिक जीवन शांत व सुखी असेल त्याबरोबरच आपण संतुष्ट असाल. धर्म व पवित्र शास्त्रांमध्ये आपल्याला रुची निर्माण होईल. आपण धर्मपरायण लोकांना भेटताल व धार्मिक प्रवचन ऐकताल. जर आपण व्यापार करत असताल तर आपल्याला लाभ होईल व हा काळ अनुकूल व वृद्धिकारक ठरेल.

बुध दशा

11:01:2023-08:05:2023

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध तुंगस्थ किंवा स्वतःच्या राशीत आहे तसेच हा ग्रासित किंवा अस्त असल्याने कलंकीत नाही. बुधाच्या दशेदरम्यान आपण अनेक बाबतीत भाग्यशाली रहाताल. आपल्या उत्पन्नात वाढ होईल व आपल्या घरातील वातावरण शांत व सुखी असेल. जर आपण शैक्षणिक अथवा बौद्धिक कामाशी संलग्न असाल तर आपली उत्तम प्रगती होईल. विज्ञान विषयात किंवा पवित्र शास्त्रांमध्ये आपली रुची वाढेल. आपली विद्वान लोकांशी भेट होईल व आपण त्यांच्याशी चर्चा करताल. आपले संबंधी आपल्याला आवश्यक मदत करण्यास तयार असतील. जर आपण व्यापार करत असताल तर ही वेळ आपल्यासाठी उत्तम असेल.

शनि दशा

09:05:2023-16:08:2023

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनी तुंगस्थ किंवा स्वतःच्या राशीत आहे परंतु हा ग्रासित किंवा अस्त असल्यामुळे कलंकीत आहे. शनीच्या दशेदरम्यान आपण अनेक बाबतीत भाग्यशाली रहाताल. आपल्या काही विदेशी ठिकाणांहून लाभ व समर्थन प्राप्त करताल. आपण स्तरीय लोकांकडून मित्रता प्राप्त करताल व आपल्या शत्रुंना पूर्णपणे पराभूत करताल. आपल्या उत्पन्नात वाढ होईल. त्याबरोबरच आपण संतुष्ट असाल. त्याबरोबरच आपल्याला सावधान राहिले पाहिजे. काही छोट्या अपघातापासून किंवा काही वात विकारांपासून आपल्याला धोका संभवतो.

लव्ज दशा

17:08:2023-01:10:2023

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नेश तुंगस्थ किंवा स्वतःच्या राशीत नसून नीचही नाही तसेच हा वक्री, अस्त किंवा ग्रासितही नाही. ही एक उदासिन युती आहे त्यामुळे लग्न दशा साधारण असेल व कोणतीही महत्त्वाची घटना घडणार नाहीत. आपल्या कार्यालयातील स्थिती खराब असेल. सामान्य लोकांकडून आपल्याला उचित सन्मान मिळेल परंतु काही वरिष्ठ अधिका-यांकडून आपल्याला दाबून टाकण्याचा प्रयत्न केला जाईल व आपल्याला मिळणारे श्रेय दुस-याचे होईल. तसेच आपल्या छोट्या चुकांसाठीही आपल्याला दोषी ठरविण्यात येईल.

शुक्र दशा

02:10:2023-17:10:2023

न्या वर्षाच्या आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र नीचस्थ असून हा ग्रासित किंवा अस्त असल्याने कलंकीत आहे. ही एक प्रतिकूल युती आहे. आपल्याला अतिशय सावधान व सतक्र राहिले पाहिजे व आपल्या प्रकृतीची काळजी घ्यायला हवी. आपल्या परिवारातील काही व्यक्ती विशेषतः आपल्या जीवनसाथीच्या बिघडलेले स्वास्थ्य आपल्या चिंतेचे कारण बनेल. काही अर्थिक अडचणींमुळे दिलेली वचने पूर्ण करण्यास आपल्याला समस्यांचा सामना करावा लागेल. नजीकच्या काळात एखाद्या महत्त्वाच्या कामाची सुरुवात किंवा दुरच्या प्रवासाची सुरुवात करणे फलदायी ठरणार नाही.

Disclaimer



The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.

Prepared by mindsutra.com on 08 September 2023, 00:53:29PM
Please visit us at <https://www.webjyotishi.com> Email: mindsutra@gmail.com
Phone: +91 98181 93410

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410